12

प्यासा कौआ

प्रिय शिक्षार्थी, पिछले पाठ में आपने कौआ और श्रृगाल की कहानी पढ़ी, जिसके माध्यम से आपने जाना कि दूसरों की चिकनी चुपडी बातों में आने से खुद का ही नुकसान होता है। इस पाठ में आप प्यासा कौआ की कहानी के माध्यम से आप सीखेंगे कि मुश्किल समय में बुद्धिमानी से लिया गया निर्णय आपको कैसे संकट से बाहर ले आता है। साथ ही आप संस्कृत के सरल वाक्यों का कहानी में प्रयोग करना भी सीखेंगे।

उद्देश्य

यह पाठ पढने के बाद आप सक्षम होंगे:

- कहानी को संस्कृत में पढ़ पाने तथा उसका अर्थ समझ पाने में;
- कहानी के मूल भावार्थ को समझ पाने में; और
- संस्कृत के छोटे वाक्यांशो को समझ पाने में।

12.1 मूलकथा–I

एकः काकः वने आसीत्। तस्य बहु पिपासा अभवत्।

जंगल में एक कौआ था। उसे बहुत प्यास लगी थी।

परं जलं न आसीत्। अतः जलार्थं उड्डयितवान्। बहु दूरं गतवान्। कुत्रापि जलं न दृष्टवान्। अतः इतोपि बहु दूरं गतवान्।

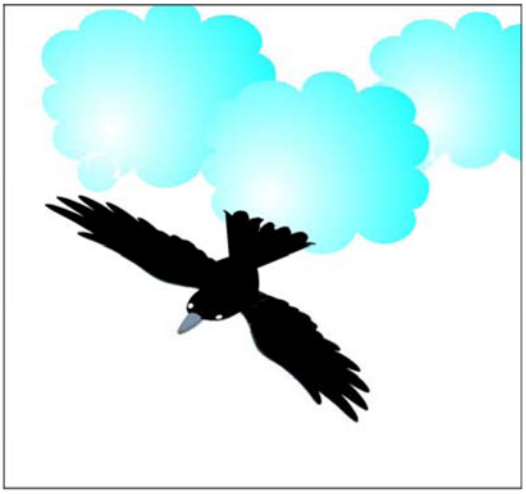

परंतु वहाँ पर पानी नहीं था। इसलिए वह जल की तलाश मे बहुत दूर उड़ गया। परंतु कहीं भी जल नही दिखा। इसलिए वहाँ से भी बहुत दूर चला गया।

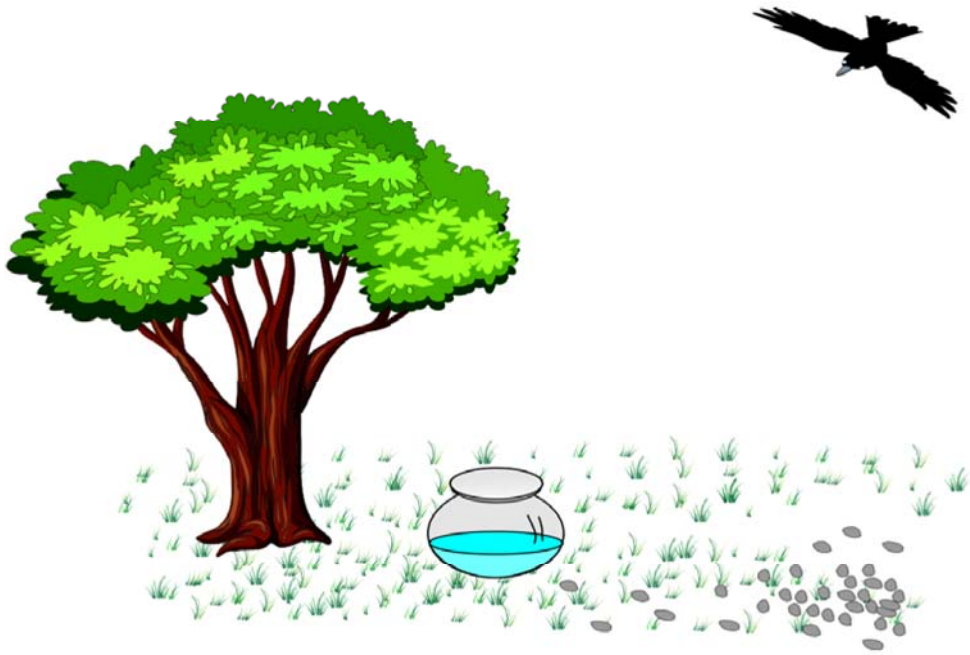

तत्र एकं घटं दृष्टवान्। घटे जलम् आसीत्।

तब उसे एक घड़ा दिखाई दिया। घडे में जल था।

किन्तु जलं अधः आसीत्।

जलस्य पानार्थं कष्टम् अभवत्।

परंतु जल घडे में बहुत नीचे था इसलिए जल पीने में उसे कठिनाई हो रही थी।

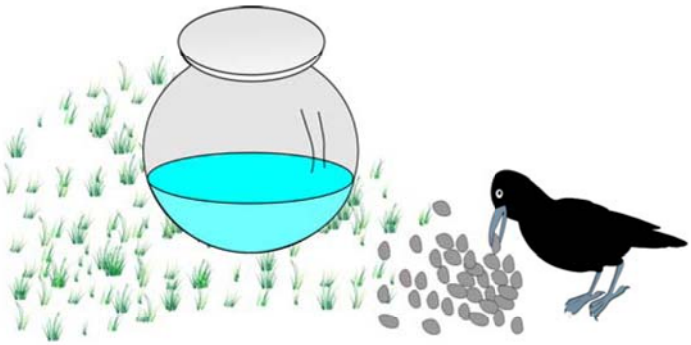

अतः एकम् उपायं कृतवान्। तत्र शिलाखण्डानि आसन्। शिलाखण्डानि आनितवान्।

इसलिए उसने एक उपाय किया। पत्थर के छोटे टुकडे देखे। उन्हें एकत्रित किया।

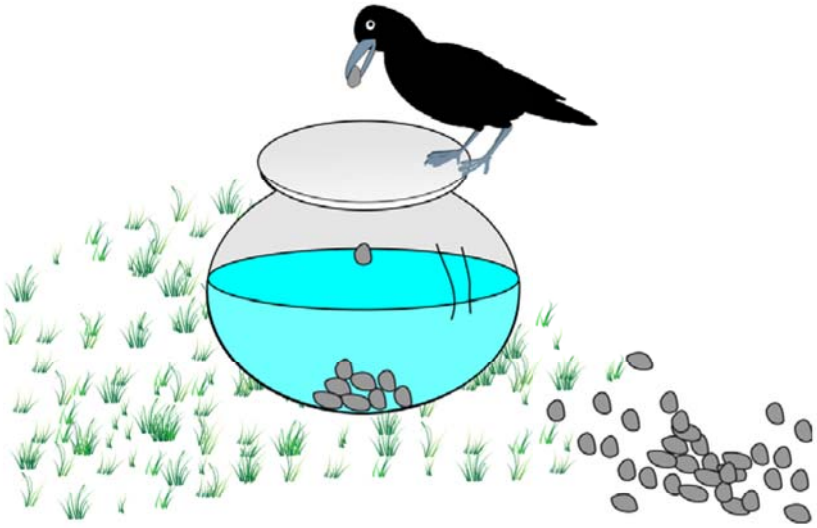

तानि शिलाखण्डानि घटे स्थापितवान्। जलम् उपरि आगतवत्।

उन पत्थर के टुकडों को घडे में डाल दिया। पानी ऊपर आ गया।

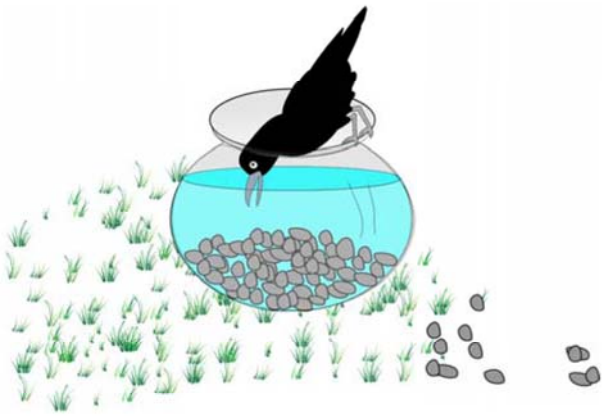

काकः जलं पीतवान्।
सन्तोषम् अनुभूतवान्।

कौअें ने पानी पिया और संतोष की अनुभूति की।

पुनः उड्डयनं कृतवान्।

वह पुनः उड़गया।

शिक्षा– मुश्किल समय में व्याकुल होने की बजाय बुद्धिमानी के साथ सार्थक प्रयास करने से कोई भी कार्य असंभव नहीं होता है।

शब्दार्थ

काकः– काक

वने– वन में

बहु– अधिक

आसीत्– या अस्ति

पिपासा– प्यासन– नहीं

अतः– इसलिए

अभवत्– हुआ

इतोपि – भी

घट– मग

किन्तु – परन्तु

स्थापितवान्– किया

अधः– नीचे

घटे–घडे में

आनीतवान्– लाया

कुत्रापि– कहीं भी

अनुभूतवान् – अनुभूत किया

पाठगत प्रश्न– 12.1

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में दीजिए–

   1) काकः कुत्र आसीत्?

   2) काकः किमर्थम् उड्डयितवान्?

   3) काकः घटे किं दृष्टवान्?

   4) काकः शिलाखण्डानि कुत्र स्थापितवान्?

   5) घटे किम् आसीत्?

   6) काकः घटे किं स्थापितवान्?

   7) काकः किमर्थं कष्टम् अनुभूतवान्?

2. निम्न संस्कृत के शब्दों का अर्थ हिन्दी में लिखिए।

   i. प्रपरह्यः

   ii. परह्यः

   iii. ह्यः

   iv. अद्य

   v. श्वः

   vi. परश्वः

   vii. प्रपरश्वः

आपने क्या सीखा?

- कहानी की शिक्षा तथा सारांश।
- नये संस्कृत शब्दों का वाक्यों में प्रयोग।

पाठांत प्रश्न

I. रिक्त स्थान की पूर्ति किजिए–

1) अद्यः भानुवासरः। प्रपरश्वः कः .....?

2) परह्यः शनिवासरः। परश्वः कः .....?

उत्तरमाला

12.1

1. वने
2. जलार्थं
3. जलं अधः आसीत्
4. घटे
5. जलम्
6. शिलाखण्डानि
7. जलस्य पानार्थं

12.2

i. बीते हुए कल से दो दिन पहले

ii. बीते हुए पल से एक दिन पहले

iii. बीता हुआ कल

iv. आज

v. आने वाला कल

vi. आने वाले कल से एक दिन बाद

vii. आने वाले कल से दो दिन बाद